संपादकीय

कैंपस में हिंसा

जेएनयू में रविवार को हुई हिंसा को किसी यूनिवर्सिटी में छात्रों के बीच हुई मारपीट की तरह नहीं देखा जा सकता, हालांकि इसकी ऐसी ही शक्ल देश के सामने पेश की जा रही है। विश्वविद्यालयों से छात्रों की बेचैनी और संगठनों के हिंसक टकराव की खबरें पिछले कुछ सालों से लगातार आ रही हैं, लेकिन पिछले पंद्रह-बीस दिनों में हुई ऐसी घटनाओं को अलग रोशनी में ही देखा जा सकता है। पहले जामिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में और अब जेएनयू में हुई हिंसक घटनाओं के ब्यौरे बताते हैं कि इनके ज्यादा बड़े सूत्र यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर हैं। इन घटनाओं में मुख्य भूमिका सरकारी तंत्र और उसके नजदीक रहकर उत्पात मचाने वाले बाहरी तत्वों की बताई जा रही है।

शासन के विवादित फैसलों से समाज में फैले असंतोष और उसे दबाने की कोशिशों का कुछ नाता भी इन घटनाओं से दिखता है, हालांकि इस बारे में ठोस जानकारी तटस्थ जांच से ही सामने आ सकती है। बीते रविवार बाहरी नकाबपोशों का जेएनयू में घुस आना एक ऐसा तथ्य है, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर रहा। देश की राजधानी में स्वतंत्र सुरक्षा व्यवस्था वाले एक प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालय में लाठी, डंडे, रॉड लिये गुंडे अचानक घुस आएं और वहां घंटों तांडव मचाकर सुरक्षित निकल जाएं, यह बात आसानी से गले नहीं उतरती। जेएनयू प्रशासन से ही नहीं, दिल्ली के पुलिस तंत्र से भी कुछेक असहज कर देने वाले सवालों के जवाब अपेक्षित हैं।

यह तो ठीक है कि पुलिस ने जामिया वाली गलती नहीं दोहराई और बाहरी हमले की सूचना होने के बावजूद यूनिवर्सिटी प्रशासन के बुलावे का इंतजार किया। लेकिन उसके कैंपस में पहुंचने के बावजूद एक भी नकाबपोश गुंडा पकड़ा नहीं जा सका, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ हमले पुलिस की मौजूदगी में भी हुए- यह बात दिल्ली पुलिस की छवि से मेल नहीं खाती। यूनिवर्सिटी के सभी गेटों पर पहरे बिठाकर गुंडों को बाहर जाने से रोकना भी क्या इतना कठिन काम था पुलिस कह रही है कि उनमें से पांच-छह की पहचान कर ली गई है, लेकिन अभी तो वह यह बताए कि अपवाद स्वरूप भी उनमें से कोई पकड़ा क्यों नहीं गया।

दिल्ली पुलिस की ओर से इस पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी बिठा दी गई है, लेकिन खुद पुलिस की ढिलाई के पीछे किसका हाथ था, यह जानकारी न्यायिक जांच में ही निकल कर आ सकती है। अच्छा होगा कि दिल्ली की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार केंद्र सरकार इसे हल्के में न ले। देश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में सौ-पचास नकाबपोश अगर मार-काट मचाकर बेदाग निकल जाते हैं, तो ऐसा किसी भी हाई सिक्योरिटी कैंपस में हो सकता है- कोई मंत्रालय, कोई मीडिया संस्थान, कोई ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहर। सरकार अगर राजधानी में अपनी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रखना चाहती है, तमाम तरह के षड्यंत्र सिद्धांतों को हवा नहीं देना चाहती तो उसे न्यायिक जांच का आदेश देकर सचाई सामने आ जाने देना चाहिए।

एमसीएक्स पर महंगी धातुओं, कच्चे तेल में तेजी, नई ऊंचाई पर सोना

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच फिर फौजी तनाव गहराने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बुलियन और क्रूड के दाम में आए उछाल के बाद भारतीय वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी बुधवार को सोना-चांदी और कच्चे तेल के वायदा सौदों में जोरदार तेजी आई। घरेलू वायदा बाजार में सोने का भाव एक बार फिर नई ऊंचाई पर चला गया है जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तकरीबन सात साल के ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।

भारत का सबसे बड़ा वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोने के फरवरी एक्सपायरी अनुबंध में बुधवार को सुबह 9.30 बजे 530 रुपये यानी 1.30 फीसदी की तेजी के साथ 41,193 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले सोने का भाव 40,946 रुपये पर खुला और 41,278 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछला। एमसीएक्स पर चांदी के मार्च अनुबंध में पिछले सत्र से 550 रुपये यानी 1.15 फीसदी की तेजी के साथ 48,661 रुपये प्रति किलो पर कारोबार चल रहा था। वहीं, कच्चे तेल के जनवरी अनुबंध में

एमसीएक्स पर पिछले सत्र से 78 रुपये यानी 1.74 फीसदी की तेजी के साथ 4,572 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। अमेरिका और ईरान के बीच फिर फौजी तनाव गहराने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बुलियन में जोरदार तेजी आई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव बुधवार को 1,600 डॉलर प्रति औंस के पार चला गया। वैश्विक बाजार में सोने का भाव तकरीनब सात साल बाद 1,600 डॉलर प्रति औंस के उपर गया है। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार कॉमेक्स पर बुधवार को सोने के फरवरी अनुबंध में 17.05 डॉलर यानी 1.08 फीसदी की तेजी के साथ 1,591.35 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले कारोबार के दौरान सोने का भाव कॉमेक्स पर 1,612.95 डॉलर प्रति बैरल तक उछला जोकि 19 फरवरी 2013 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है।

साई प्रणीत मलेशिया मास्टर्स से बाहर

कुआलालंपुर। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत बुधवार को यहां पहले दौर में डेनमार्क के रासमुस गेमके के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

प्रणीत को इस सुपर 500 टूर्नामेंट के पहले दौर में 11-21 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी जिससे भारत की शुरुआत निराशाजनक रही। मंगलवार को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को भी पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। बुधवार को भारत के अन्य शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी भी कोर्ट पर उतरेंगे जिनमें पीवी सिंधू, साइना नेहवाल, किदांबी श्रीकांत, पारूपल्ली कश्यप, एचएस प्रणय और समीर वर्मा शामिल हैं।

6 दिन बाद पेट्रोल, डीजल के दाम में स्थिरता, कच्चा तेल तेज

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में नए साल में लगातार छह दिनों तक लगातार वृद्धि के बाद बुधवार को स्थिरता बनी रही।

हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में तेजी को देखते हुए पेट्रोल और डीजल की महंगाई से आने वाले दिनों में राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल का दाम बिना किसी बदलाव के क्रमशः 75.74 रुपये, 78.33 रुपये, 81.33 रुपये और 78.69 रुपये प्रति लीटर बना हुआ था।

वहीं, चारों महानगरों में डीजल की कीमत भी क्रमशः 68.79 रुपये, 71.15 रुपये, 72.14 रुपये और 72.69 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बनी रही। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकॉटिनेंटल एक्सचेंज यानी आईसीई पर बेंट्र क्रूड के मार्च डिलीवरी अनुबंध में पिछले सत्र के मुकाबले 2.20 फीसदी की तेजी के साथ 69.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था जबकि कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड 71.28 डॉलर प्रति बैरल तक उछला, इससे पहले ब्रेंट का दाम 16 सितंबर 2019 को 71.95 डॉलर प्रति बैरल तक चला गया था।

वहीं, न्यूयार्क मर्के टाइल एक्सचेंज यानी नायमैक्स पर अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट यानी डब्ल्यूटीआई के फरवरी अनुबंध में 1.98 फीसदी की तेजी के साथ 63.94 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले डब्ल्यूटीआई का दाम 65.65 डॉलर प्रति बैरल तक चला गया था।

अमेरिका-ईरान में तनाव के बीच गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स 350 और निफ्टी 100 अंक लुढ़का

नईदिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका-ईरान में बढ़ते तनाव के बीच आज बुधवार को भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर गिरावट के साथ खुले। एशियाई बाजारों में 2 फीसदी तक की गिरावट है। वही, भारतीय शेयर बाजार भी इससे अछूता नहीं है। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 350 अंक और एनएसई का 50 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 100 अंक लुढ़क गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि निवेशकों को घबराने की जरुरत नहीं है। ऐसे में अच्छे फंडामेंटल वाले शेयरों को निचले स्तर पर खरीद सकते हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से जापान का प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निक्केई 300 अंक टूट गया है। वहीं, दक्षिण कोरिया के प्रमुख इंडेक्स कोस्पी में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ गई है। इसके अलावा हांग कांग के हैंग-सैंग में 250 अंक की गिरावट है। चीन का प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स शंघाई भी 1 फीसदी नीचे आ गया है।

इससे पहले अमेरिकी बाजारों में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। डाओ जोंस 120 अंक की गिरकर 28584 के स्तर पर बंद हुआ। दिग्गज शेयरों के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयर में भी बिकवाली नजर आ रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.34 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

गुणों की खान है खाने को टेस्टी बनाने वाला काला नमक, एक से बढ़कर एक फायदे

हमारे शरीर में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया को किल करने और हमारा बढ़े हुए फैट को बर्न करने में काला नमक बहुत ही फायदेमंद है। इतना ही नहीं यह खाने का जायका कई गुना बढ़ा देता है। आयुर्वेदार्य मानते हैं कि काले नमक को हर रोज सुबह के वक्त गर्म पानी में मिलाकर पीने से शरीर स्वस्थ रहता है...

पेट सही रखे

काला नमक भोजन को आसानी से पचाने में सहायक होता है। काले नमक में बना भोजन करने से पेट स्वस्थ रहता है और कब्ज की समस्या से भी बचाव होता है।

मोटापा घटाए

खाना खाने के बाद अगर आपको पेट में भारीपन महसूस हो रहा हो तो गर्म पानी में काला नमक मिलाकर इसे चाय की तरह घूंट-घूंट कर पिएं। इससे खाना आसानी से पचेगा और बॉडी का एक्स्ट्रा फैट भी बर्न करने में मदद मिलेगी।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

काला नमक कई तरह के पोषक तत्वों और मिनरल्स सेभरपूर होता है। नियमित रूप से इसका सेवन हमारीहड्डियों को कमजोर नहीं पड़ने देता।

बॉडी डिटॉक्स

काला नमक बॉडी डिटॉक्स करने में भी फायदेमंद हैं।

बायॉपिक में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाएंगे परेश रावल

बॉलिवुड में पिछले काफी समय से बायॉपिक बनाए जाने का दौर चल रहा है। संजय दत्त, मैरी कॉम, एमएस धोनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायॉपिक बनाए जाने के बाद अब भारत के पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की बायॉपिक बनाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं।

अब बॉलिवुड के दिग्गज ऐक्टर परेश रावल ने ट्विटर पर ट्वीट कर बताया है कि वह कलाम की बायॉपिक में इस महान वैज्ञानिक का किरदार निभाते नजर आएंगे। परेश रावल ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी अपने फैन्स को दी है। उन्होंने कलाम की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, मेरी राय में वह संत कलाम थे। मैं खुशनसीब हूं कि मैं कलाम साहब की बायॉपिक में उनका किरदार निभाऊंगा।

वैसे इससे पहले परेश रावल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायॉपिक में मोदी का किरदार निभाने की इच्छा जताई थी लेकिन वह फिल्म नहीं बन सकी। बाद में पीएम मोदी की बायॉपिक में विवेक ओबेरॉय ने मोदी की भूमिका निभाई थी। बता दें कि परेश रावल ने फिल्मों में हर तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। वह पिछली लोकसभा में अहमदाबाद से बीजेपी सांसद भी रहे थे। हालांकि अब इस बार उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा और फिर से ऐक्टिंग पर फोकस करने का फैसला लिया।

आज का राशिफल

मेषः आज आपकी राशि पर द्वितीय भाव में चंद्रमा तथा नवम भाव में शनि भी आ जाएगा, फलस्वरूप आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में नए कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं।

वृषभः आपकी राशि का स्वामी शुक्र उच्चाभिलाषी है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है, अतः आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत होगा।

मिथुनः द्वादश भाव में चंद्रमा और राशि से प्रथम भाव में मिथुन राशि का राहु आज आपको राज्य से सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा।

कर्कः एकादश भाव में चंद्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रूके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधो में स्थायित्व बनेगा।

सिंहः आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्मसंतोष होगा।

कन्याः आपकी राशि से दशम राहु संचार कर रहा है। अपने आस पास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है।

तुलाः आज का दिन आपके लिए महान पुरूषों से मेल जोल कारक है। अकस्मात अकल्पित उलट फेर में आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है।

धनुः आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा।

मकरः आज आपकी राशि से पंचम का चन्द्रमा पास व दूर की यात्रा तथा राज्य विजय कारक है। बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

कुंभः राजनितिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वन्दी आपके पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृदि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

मीनः राशि का स्वामी देवगुरू पिछले कई दिनों से धनुः राशि का होकर नवम भाव में चल रहा है।

साथ छुट्टियां मना रहे थे सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के रिलेशनशिप के बारे में बीते काफी दिनों से कयास लगाए जा रहे थे। अब नए साल के साथ लगता है उनके साथ होने की खबर पर मुहर लगती दिख रही है। शुक्रवार सुबह दोनों को साथ में मुंबई आते देखा गया। एयरपोर्ट पर पपराजी को देखकर कियारा काफी नर्वस दिखाई दीं।

कियारा के हावभाव देखकर सिद्धार्थ को मामला समझते देर न लगी। दोनों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपने अफ्रीका हॉलिडे की तस्वीरें शेयर की हैं। हालांकि दोनों ने कोई भी तस्वीर साथ में पोस्ट नहीं की लेकिन

मजेदार बात है कि उनके सोशल मीडिया पोस्ट में काफी चीजें कॉमन हैं।

अपने-अपने इंस्टा हैंडल्स पर सिड और कियारा ने अपनी सफारी विजिट की कुछ बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें दोनों के साथ होने का इशारा कर रही थीं इन्हीं में से एक ऐसी तस्वीर है

जिसमें दोनों की इंस्टा स्टोरी पर दिख रही है। यह एक एयरक्राफ्ट की तस्वीर है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के रिलेशनशिप के चर्चे उस वक्त शुरू हुए जब दोनों को कई बार साथ में देखा गया। कियारा कई पार्टीज में सिद्धार्थ के साथ गाड़ी में पहुंची हैं। हालांकि इससे पहले दोनों सिंगल होने का दावा कर चुके हैं और इस पर उनकी तरफ से कोई भी ऑफिशल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है।

इस तरह बनाएं तिल-गुड़ की पट्टी, मकर संक्रांति पर जम कर खाएं

सामग्रीः-

तिल - 100 ग्राम
गुड़ - 200 ग्राम
देसी घी - 2 छोटी चम्मच

विधिः-

तिल-गुड़ की पट्टी बनाने के लिए सबसे पहले पैन को आंच पर चढ़ाकर गरम कर लें. इसके बाद इसमें तिल डालें. तिल को चमचे से लगातार चलाते हुए मद्धम आंच पर हल्का भूरा होने तक भून लें. भून हुए तिल को एक साफ और सूखी प्लेट में निकालकर रख लें इसके बाद इसी पैन में 1 छोटा चम्मच घी डालें जब घी पिघल जाए तो इसमें गुड़ के टुकड़े डालकर पिघलने तक चलाइये. पिघलने के बाद भी चमचे से चलाते हुए एक मिनट तक पकाइए आंच हल्की करके पिघले गुड़ में तिल डालें और अच्छी तरह से मिलाते हुए पका लें एक बड़ी थाली में घी लगाकर चिकना कर लें और इसी थाली में जब मिश्रण हल्का ठंडा हो जाए तो डालकर जमा लें हलके हाथ से इसके ऊपर बेलन चला लें। और इसे थोड़ा पतला बेल लें इसके बाद धारदार चाकू से इसे अपने मनपसंद आकर में काट लें इसे ठंडा होने दें और बाद में अलग-अलग कर रख लें लीजिए तैयार हो चुकी है आपकी तिल-गुड़ की पट्टी, मकर संक्रांति पर इसे दान में दें या मजे ले लेकर खाएं मर्जी आपकी है।

शब्द सामर्थ्य- 99

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीच (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

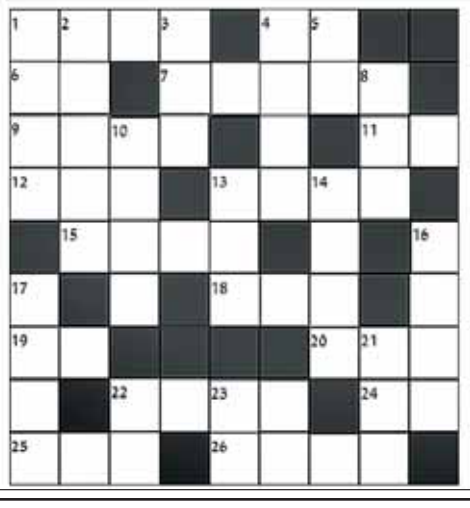

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 99

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 98 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4